नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 341, पृष्ठ 12)
कार्तिक, शुक्ल प्रथमा संवत् 2083
मंगलवार, 10 नवम्बर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

तापमान

भोपाल	25.0°	32.0°
इंदौर	24.0°	32.0°
जबलपुर	26.0°	35.0°
ग्वालियर	28.0°	37.0°
सागर	25.0°	32.0°



राजधानी... हर व्यक्ति गौमाता को पालने का संकल्प ले



व्यापार... एलिस से संबंधों के बाद विवादों में आए एनवीडिया प्रमुख...



खेल... दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला टीम घोषित



देश-विदेश... ट्रंप के पास एजेंडा पूरा करने के लिए बचे ...

खास-खबरें

बांग्लादेश लौटने के लिए शेख हसीना ने मांगा नया पासपोर्ट

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने देश लौटने के लिए नया पासपोर्ट मांगा है। वे दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी दूतावास में आवेदन किया है। उनके वकील ने सोमवार को लंदन में बांग्लादेश के शीर्ष राजनयिक को ईमेल भेजकर शेख हसीना के लिए नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की मांग की है। हसीना ने कहा है कि वे हर हाल में अपने देश लौटेंगी। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। छात्र आंदोलन के बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद से वे भारत में ही हैं। इस बीच बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार कई बार उनके प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है।



टीवी एंकर राबिया की गोली लगने से मौत

रावलपिंडी, एजेंसी : पाकिस्तान के रावलपिंडी में रविवार को 41 वर्षीय टीवी एंकर राबिया अहसान की घर में गोली लगने से मौत हो गई। गोली उनके गले के नीचे लगी थी। पति ने दावा किया कि पिस्तौल संभालते समय अचानक गोली चल गई और उन्हें उसमें गोली भरी होने की जानकारी नहीं थी। राबिया के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने पिस्तौल बरामद कर हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के समय उनकी 13 और 11 साल की दोनों बेटियां घर के लॉन में नानी के साथ थीं।



अंधाधुंध गोलीबारी, छह की मौत, 15 घायल

वारसॉ, एजेंसी : पोलैंड के क्राको शहर में शनिवार को एक युवक ने कार से घूम-घूमकर लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 घायल हुए हैं। मृतकों में चार महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने 25 वर्षीय हमलावर को गोली मारकर घायल कर दिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह पोलैंड का नागरिक है। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने बताया कि हमलावर के घर से दो महिलाओं और एक पुरुष के शव मिले हैं। आशंका है कि तीनों उसके परिवार के सदस्य थे। उनकी हत्या किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने बस्तर में सुरक्षाबलों के साथ मनाई दिवाली

हथियारबंद नक्सलियों के बाद अब वैचारिक नक्सलवाद से लड़ने की चुनौतीः मोदी





नईदुनिया ब्यूरो, बस्तरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर पहुंचे और करनपुर स्थित कोबरा अभियान शिविर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि हथियारबंद नक्सलियों का जंगलों से सफाया हो चुका है, लेकिन नक्सलवाद का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अब वैचारिक स्तर पर भी इस चुनौती से निपटने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोग विभिन्न राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर चुके हैं। वे लोगों को संविधान और लोकतंत्र के विरुद्ध भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके प्रभाव को समाप्त करना जरूरी है।

लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दिवाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 13वीं बार दिवाली का त्योहार सुरक्षाबलों के बीच मनाने पहुंचे। इससे पहले वे 12 बार देश के अलग-अलग सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के साथ दीपावली मना चुके हैं। इन दौरों में उन्होंने सबसे अधिक तीन बार जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में दो-दो बार जवानों के बीच दिवाली मनाई। बस्तर के कोबरा अभियान शिविर में प्रधानमंत्री ने जवानों के साथ त्यौहार मनाया और उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में लगे जवानों का साहस और समर्पण राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है।

कैंसर की 137 दवाएँ सस्ती कीमतों में 96.45 प्रतिशत तक की कटौती

- मरीजों को हर साल 3,540 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान, 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटे



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कैंसर के मरीजों को बड़ी राहत मिली है। देश में कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली 137 दवाओं की संशोधित कीमतें सोमवार, 9 नवंबर से लागू हो गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 औषधीय रूपों की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। अधिकतम 96.45 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। इससे मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है।

दरअसल, 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की कीमतों में भारी अंतर पर नाराजगी जताई थी। अदालत ने कहा था कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27 हजार रुपये में बेचना गंभीर चिंता का विषय है। इसके बाद 17 अक्टूबर को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने 137 कैंसर की दवाओं पर कंपनियों का लाभ अधिकतम 30 प्रतिशत निर्धारित कर दिया था। विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर यह निर्णय लिया गया। मरीज दवाओं के पैकेट पर नई कीमत देख सकते हैं। इसके अलावा औषधि मूल्य संबंधी मोबाइल अनुप्रयोग और प्राधिकरण की वेबसाइट से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूलने पर फार्मा जन समाधान पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर 1800-111-255 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

दिवाली की रात आग का कहर देशभर में 23 लोगों की मौत

- मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 13 लोगों ने गंवाई जान, महाराष्ट्र में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिवाली की रात देशभर में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं। इन हादसों में सबसे अधिक जनहानि मध्य प्रदेश में हुई, जहां तीन अलग-अलग स्थानों पर आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में आग लगने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई।

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में एक मकान में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। इनमें दो महीने का एक शिशु भी था। वहीं, सिवनी जिले में एक सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से छह लोगों की जान चली गई। मृतकों में 16 वर्षीय किशोर भी शामिल है। महाराष्ट्र के मुंबई स्थित लोखंडवाला में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। धाराशिव में छह लोगों की जान जाने के अलावा मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं। ठाणे की 17 मंजिला इमारत में भी आग लगी।

राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग लापता हैं। हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

जम्मू के नेहरू बाजार में आग से 12 से अधिक दुकानें जल गईं। नागपुर में दोपहिया वाहन शोरूम में आग लगने से कई वाहन जल गए।

असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, सिक्किम के गंगटोक और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। दमकल और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

मुख्यमंत्री ने गौशालाओं और पशुपालकों को दी आर्थिक सहायता

दो साल में प्रदेश को बनाएँगे देश की दुग्ध राजधानीः डॉ. यादव



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को अगले दो वर्षों में देश की दुग्ध राजधानी बनाया जाएगा। इसके लिए प्रदेश में दूध संकलन क्षमता को वर्तमान 12 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम करने का लक्ष्य रखा गया है। सोमवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय गोपूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह में उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भोपाल में उन्नत नस्ल की गायों के भ्रूण उत्पादन केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी है। इस केंद्र में प्रतिवर्ष एक लाख भ्रूण तैयार किए जाएंगे। इससे गिर और साहीवाल जैसी उन्नत नस्ल की गायों के पालन और दूध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. यादव ने कहा कि सरकार गौवंश संरक्षण के साथ पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि के लिए भी काम कर रही है। प्रदेश की तीन हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में रह रहे 5.51 लाख से अधिक गौवंश के भरण-पोषण के लिए 65.66 करोड़ रुपये की अनुदान राशि अंतरित की गई। वहीं, गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत 466 उत्कृष्ट पशुपालकों को कुल 2.95 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रति गाय मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दी गई है। भोपाल के बरखेड़ी डोब में 10 हजार गौवंश की क्षमता वाली आधुनिक गौशाला भी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 दुधारू पशुओं की इकाई स्थापित करने पर 42 लाख रुपये तक की ऋण सहायता और 13.86 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य पशुपालन, प्राकृतिक खेती और दुग्ध सहकारिता को मजबूत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाना है।

दो यात्री ट्रेनें टकराईं, सात की मौत, 125 घायल

काहिरा, एजेंसीः मिस्र में रविवार को दो यात्री ट्रेनें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 125 घायल हुए हैं। दुर्घटना राजधानी काहिरा से लगभग 76 किलोमीटर दूर गीजा प्रांत में हुई। टक्कर के कारण कई डिब्बे पटरी से उतर गए। मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक ट्रेन गीजा से फयूम और दूसरी काहिरा से असवान जा रही थी। इसी दौरान गीजा से आ रही ट्रेन ने दूसरी ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी। मृतकों में ट्रेन का चालक भी शामिल है। हादसे के बाद मौके पर 50 से अधिक एंबुलेंस भेजी गईं। राहत और बचाव दल ने घायलों की तलाश की। पटरी से उतरे डिब्बों और मलबे को हटाने के लिए क्रेन बुलाई गईं।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत

- अमावस्या पर नर्मदा स्नान के लिए बरमान जा रहे थे नौ लोग, पांच घायल

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागरः सोमवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर गोपालपुरा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से एक कार को टक्कर मार दी। भीषण हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मृतकों में माखन मुन्नीलाल यादव निवासी बिलहरी, संतोष बद्रीप्रसाद तिवारी महागोद राहतगढ़, ठाकुर सिंह मोतीनगर सागर व नीरज मिश्रा ग्राम भैंसा शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी नौ लोग भैंसा गांव के रहने वाले थे। वे अमावस्या के अवसर पर बरमान में नर्मदा स्नान करने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी कार



सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में घायल हुए पांच लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है। घायलों में अनिकेश शर्मा भैंसा, देवेंद्र सेन नरयावली, राहुल नामदेव पुरब्याऊ टौरी, रामगोपाल नैतना बांदरी व प्रह्लाद विश्वकर्मा सागर शामिल हैं।

रियाद में मिसाइल हमला, अरामको की इमारत को मामूली नुकसान

रियाद, एजेंसीः सऊदी अरब की राजधानी रियाद में रविवार को मिसाइल हमला हुआ। इससे तेल कंपनी अरामको की इमारत को मामूली नुकसान पहुंचा है। हमले का आरोप यमन के हूती विद्रोहियों पर लगाया गया है। हालांकि, हूतियों ने अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

सऊदी सेना के अनुसार, रियाद की ओर दागी गई दो बैलिस्टिक और दो क्रूज मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। सऊदी नागरिक सुरक्षा विभाग ने संभावित खतरे को लेकर चेतावनी भी जारी की थी। हमले में किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। अरामको की इमारत की कई मंजिलों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। इससे एक दिन पहले यमन की राजधानी सना के पास सऊदी हवाई हमलों में 33 लोगों की मौत का दावा हूतियों ने किया था।

48 घंटे से अधिक न्यायिक हिरासत में रहने पर सरकारी अधिकारी स्वतः निलंबित

- सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया नियम, बिहार के अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल कर पटना उच्च न्यायालय का आदेश किया निरस्त



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी गिरफ्तारी के बाद 48 घंटे से अधिक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वतः निलंबित माना जाएगा। इसके लिए अलग से निलंबन आदेश जारी करने की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने छह नवंबर को यह टिप्पणी बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक विश्वजीत सिंह से जुड़े मामले में की। सिंह पर संविदाकर्मी से बकाया वेतन के 36,421 रुपये जारी करने के बदले चार हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। इस मामले में वर्ष 2025 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सिंह ने पटना उच्च न्यायालय के एक जुलाई के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने उनकी नियमित जमानत रद्द कर हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह आदेश निरस्त करते हुए जमानत बहाल कर दी। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय जमानत पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन उसे रद्द करना उचित नहीं था। अदालत ने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के बाद सिंह करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहे थे। इसके बावजूद उन्हें उसी अस्पताल में उसी पद पर दोबारा तैनात कर दिया गया। पीठ ने राज्य सरकार से इस मामले में कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई।

प्रसंग केंद्रीय प्रांत की विधानसभा में संघ के समर्थन में नहीं आया था कोई स्वयंसेवक...

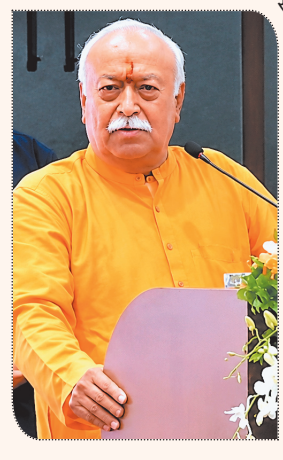
1930 में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थीः मोहन भागवत

नईदुनिया ब्यूरो, नागपुरः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के इतिहास से जुड़ा एक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1930 के दशक में तत्कालीन केंद्रीय प्रांत की विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी। उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था, लेकिन इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए प्रतिबंध लगाने का विरोध किया था।

भागवत के अनुसार, इब्राहिम ने विधानसभा में कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का उल्लेख करते हुए कहा था कि वे उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और एक अच्छे इंसान हैं। ऐसे व्यक्ति द्वारा संचालित संगठन को सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता।

भागवत ने बताया कि इब्राहिम ने उन लोगों की सोच पर भी सवाल उठाया था, जो भारत को हिंदू राष्ट्र कहने वालों को मानसिक रूप से अस्वस्थ मानते थे। उन्होंने डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व का हवाला देते हुए संघ का समर्थन किया था।

प्रचारकों के त्याग और समर्पण का किया उल्लेख



संघ प्रमुख ने प्रचारकों के जीवन और उनके समर्पण पर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्रचारक बिना किसी स्वार्थ, अहंकार और व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के संगठन तथा समाज के लिए काम करते हैं। वे अपनी निजी इच्छाओं को पीछे छोड़कर अपना पूरा जीवन संगठन के कार्यों के लिए समर्पित कर देते हैं। भागवत के अनुसार, प्रचारकों और स्वयंसेवकों के त्याग तथा समर्पण को केवल शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इसे उनके साथ रहकर और उनके कार्यों को देखकर ही समझा जा सकता है। उनका जीवन दूसरों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक संगठन के आदर्शों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता, लेकिन सभी समाज के लिए अच्छा काम करने का प्रयास करते हैं। प्रचारक अपने व्यवहार और समर्पण के माध्यम से स्वयंसेवकों को संगठन के उद्देश्यों से जोड़कर रखते हैं।

व्यक्ति निर्माण से होता है राष्ट्र निर्माण

भागवत ने अपने संबोधन में संघ के उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज और देश को बेहतर बनाना है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि अच्छे व्यक्तियों से ही अच्छे समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है।